विश्व शांति दिवस पर कविता

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।

डॉ. निर्मला देवी चिट्टिल्ल

देश तथा प्रजा के मध्य

स्वतंत्रता, शांति तथा खुशी की स्थापना हेतु

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।

“शांति सब का अधकार है” ||2||

इसका प्रचार-प्रसार करें अब..

शांति के कपूतों को शांति दूतों को

स्वच्छंद गगन में उड़ने देना है अब।।

शांति की खोज में अपना जीवन निछावर कर देना है अब..

स्वतंत्रता, शांति तथा खुशी की स्थापना हेतु

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।

“विज्ञान यान पर चल मानव..” ||2||

खुद को नुकसान पहुँचा रहा है,

संसाधनों को लेकर संघर्ष करता मानव,

मानवता को नष्ट कर रहा है।

बिना शांति यह विकास ।। 2।। सर्वदा अनर्थ का ही मार्ग है

विश्व शांति ही एक मार्ग है वैश्वीकरण..

वैश्वीकरण 'वसुधैव कुटुंबकं' ही एक मंत्र है।।

मानव का जीवन व्यक्तिगत मधुर संबंधों पर ही आधारित है अब

धार्मिक, सामाजिक, ,सांस्कृतिक भेद मिटाकर आदर्श जीवन ही अपेक्षित है अब।।

स्वतंत्रता, शांति तथा खुशी की स्थापना हेतु

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।

इन्सानियत ही हम सब का सबसे बड़ा धर्म है

मानवता एवं मानव का कल्याण ही अपना परम-चरम करम है।

संस्कृति सभ्यता में चाहे कितनी भी चाहे भिन्नता हो

विश्व कल्याण के मार्ग पर सबमें एकता हो।।

नफरत का मार्ग छोड़ो ।।2।।

प्रेम का मार्ग अपनाओ अब

अहिंसा, संघर्ष की समाप्ति का नारा लगाओ अब।।2।।

स्वतंत्रता, शांति तथा खुशी की स्थापना हेतु

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।

शांति से संबंधित मुद्दों पर सब को जागरूक होना है अब,

विश्व के सभी देशों में विध्वंश मिटाना ही एक मात्र ध्येय होना है अब।।

प्रकृति के सामंजस्य को व्यक्त करने का प्रतीक है यह दिन..

दुनिया की प्रतिबद्धता को समर्पित होकर वसंत कायम करने का प्रतीक है यह दिन।।

अणु शक्ति.. अणु शक्ति.. नहीं है विनाशकारी

मानव के अणु-अणु में शक्ति भर दें ।।2।।

करें उसे सर्व मंगलकारी

दुनिया अब सह के विकास में होगी ।।2।।

जनिहित कल्याणकारी होगी।

विश्व शांति दिवस पर हम देते हैं सब को शुभकामनाएँ..

मानवता की राह पर चलने वालों को..

मानवता की राह पर चलनेवालों को

तन- मन - वचन से बधाइयाँ..

स्वतंत्रता, शांति तथा खुशी की स्थापना हेतु

संयुक्त राष्ट्र संघ की पुकार सुनें अब।।2।।